एकेटीयू ने इनोवेशन के लिए बनाई अलग कंपनी, नवाचार को लगेंगे पंख

कंपनी का अपना होगा बोर्ड व एचआर पॉलिसी, विश्वविद्यालय 100 करोड़ रुपये की निधि के ब्याज से देगा आर्थिक सहायता

अक्षय कुमार

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) व संबद्ध कॉलेजों के युवाओं के नवाचार व स्टार्टअप को अब तेजी से बढ़ावा मिलेगा। विवि ने इनोवेशन के लिए अलग सेक्शन 8 कंपनी का गठन किया है। यह कंपनी अपने व संबद्ध कॉलेजों में नवाचार से जुड़ी प्रक्रिया के लिए त्वरित निर्णय लेगी।

नवाचार व स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए विवि ने कलाम सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन ऑफ स्टार्टअप एकेटीयू फाउंडेशन (केसीआईआईएस) नाम से कंपनी का गठन किया है। इस कंपनी की अपनी एचआर पॉलिसी होगी। इसके अपने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स होंगे। कंपनी के पास सारे वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार भी होंगे। कुलपति इसके अध्यक्ष होंगे जबकि प्रति कुलपति, वित्त अधिकारी, इनोवेशन सेल से जुड़े अधिकारी भी इसमें शामिल होंगे। कंपनी का अपना सीईओ, मैनेजर व चीफ इनोवेशन ऑफिसर होगा। यह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम करेगी। तीन साल तक विवि की ओर से इसके लिए जमा किए 100 करोड़ की निधि के ब्याज से कंपनी संचालित होगी। इसी पैसे से इनोवेशन से जुड़ी सामग्री की खरीद होगी।

मौजूदा व्यवस्था में विवि की ओर से नवाचार व स्टार्टअप संबंधी कोई भी निर्णय लेने से पहले इसे इनोवेशन सेल, फिर विद्या परिषद, वित्त समिति व कार्य परिषद से स्वीकृत कराना होता है। अब कंपनी सीधे निर्णय लेगी। इससे काम तेजी और आसानी से हो सकेगा। इसमें समय की बहुत बचत होगी। कंपनी की अपनी एचआर पॉलिसी होने से आवश्यकतानुसार कर्मचारियों की तैनाती भी की जा सकेगी। साथ ही युवाओं को नवाचार व स्टार्टटप के लिए सहायता भी दी जाएगी।

विवि और राजकीय कॉलेजों में चल रहे सेंटर

एसोसिएट डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने बताया कि विवि और 15 राजकीय कॉलेजों में इनक्यूबेशन सेंटर चलाया जा रहा है। इनोवेशन हब पूरे प्रदेश के इन सेंटर से समन्वय और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार व जागरूक करता है। ऐसे में सेक्शन 8 कंपनी के बनने से योजनाओं को गति देने में काफी सहयोग मिलेगा। इससे त्वरित निर्णय होंगे और युवाओं को भी त्वरित लाभ दिया जा सकेगा।

स्टार्टअप को बढ़ाने के साथ बनेगी आत्मनिर्भर

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि नई सेक्शन 8 कंपनी के गठन के साथ ही इसके लिए सीईओ, मैनेजर की तैनाती शुरू हो गई है। यह नॉन प्रॉफिट संगठन के रूप में काम करेगी। कंपनी को तीन साल में आत्मनिर्भर बनना होगा। उसे अपने दैनिक कामकाज के लिए भी पैसा कमाना है। यह स्टार्टअप को व्यावसायिक बनाने के साथ ही उसमें शेयर लेगी। यह कंपनी दूसरों को ट्रेनिंग, कंसलटेंसी आदि भी देगी।

आईआईटी कानपुर में 11 सेक्शन 8 कंपनी : कुलपति ने बताया कि आईआईटी कानपुर में 11 सेक्शन 8 कंपनियां हैं। जो विभिन्न क्षेत्र में काम करने के साथ ही अच्छी आय भी कर रही हैं और संस्थान को भी सहयोग कर रही हैं। इसी क्रम में विवि की ओर से सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैश) में सेक्शन 8 कंपनी इनोवेशन हब एकेटीयू फाउंडेशन का गठन किया गया है। आईईटी की अपनी अलग सेक्शन 8 कंपनी है। इसी तरह अन्य संस्थानों को भी इसके लिए प्रेरित व तैयार किया जा रहा है।